सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

भाग अ - परिचय				
कार्यक्रम: डिग्री		कक्षा : बी. ए.	वर्ष: प्रथम वर्ष	सत्र: 2025-26
विषय: कथक नृत्य				
1	पाठ्यक्रम का कोड			
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	**कथक नृत्य विधान** (प्रश्न पत्र - 3)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव / वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स (मेजर -3)		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए विद्यार्थी ने विषय का अध्ययन 12वीं कक्षा में किया हो (समस्त विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य)		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे:- • सैद्धांतिक ज्ञान अर्जित करना। • नृत्य प्रशिक्षण देने की क्षमता का विकास। • कला प्रदर्शन की क्षमता का विकास।		
6	क्रेडिट मान	सैद्धांतिक – 02		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35	

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P:

कुल व्याख्यान - 30 (प्रति व्याख्यान 01 घंटा)

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I.	**कथक नृत्य प्रस्तुति के महत्वपूर्ण पारिभाषिक अंग–** • तत्कार – ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन । • हस्त संचालन– ऊर्ध्व, अधर, उत्तर, प्राची और दक्षिण। • थाठ, कसक, मसक, कटाक्ष, आमद, उपोद्घात, सलामी, प्रणामी, तोड़ा, टुकड़ा, परण, चक्रदार, त्रिचक्री, कवित्त, प्रमिलू, भ्रमरी के प्रकार , अंग, प्रत्यंग, उपांग। **गतिविधि :– कवित्त पर नृत्य**	10
II.	**अभिनय दर्पण** • असंयुक्त हस्तों का श्लोक सहित नाम और विनियोग सहित अध्ययन। ग्रीवा भेदों का श्लोक सहित नाम और विनियोग **गतिविधि :– चार्ट का निर्माण**	10
III.	**ताल लिपि –** • विष्णु नारायण भातखण्डे ताल लिपि का अध्ययन • प्रायोगिक तालों के ठेकों को ठाह, दुगुन, तिगुन और चौगुन में लिखना – तीनताल, झपताल, दादरा और कहरवा **गतिविधि :– ताल लिपि में लेखन**	10

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: पारिभाषिक अंग, अभिनय दर्पण, ताल लिपि

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:-

1. दाधीच, पुरु कथक नृत्य शिक्षा भाग 1 एवं 2 – बिन्दु प्रकाशन, सराफा बाजार, उज्जैन
2. नागर विधि, कथक नर्तन भाग 1 एवं 2, बी.आ. रिदम पब्लिकेशन नई दिल्ली
3. माणिक भगवान दास, कथक मध्यमा, शिव शक्ति पब्लिकेशन, ग्वालियर
4. माणिक भगवानदास , कथक के सन्दर्भ में नर्तन भेद, शिवशक्ति पब्लिकेशन – ग्वालियर
5. हरमलकर, सुचित्रा, कथक प्रवाह भाग – 1, ग्रन्थालय पब्लिकेशन एण्ड प्रिन्टर्स, इन्दौर
6. गैरोला – वाचस्पति, भारतीय नाट्य परम्परा और अभिनय दर्पण, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान जवाहर नगर, नई दिल्ली
7. ज्योतिषी चेतना, कथक कल्पद्रुम, अभिनव प्रकाशन, मण्डला

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक –

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन: **सतत व्यापक मूल्यांकन** (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	**30**
आकलन : **विश्वविद्यालयीन परीक्षा**: समय- 03.00 घंटे	**अनुभाग (अ): अति लघु उत्तरीय प्रश्न** **अनुभाग (ब): लघु उत्तरीय प्रश्न** **अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**	**70**

कोई टिप्पणी/सुझाव:

प्रायोगिक प्रश्नपत्र

भाग अ - परिचय				
कार्यक्रम: डिग्री		कक्षा : बी. ए.	वर्ष: प्रथम वर्ष	सत्र: 2025-26
विषय: कथक नृत्य				
1	पाठ्यक्रम का कोड			
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भावांजलि (प्रश्न पत्र - 3)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स (मेजर -3)		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए विद्यार्थी ने विषय का अध्ययन 12वीं कक्षा में किया हो (समस्त विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य)		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विधार्थी निम्न में सक्षम होंगे :- • नृत्य क्षमता का विकास • प्रारम्भिक स्तर का नर्तक/नर्तकी का स्वरूप निर्माण • नृत्य और संगीत कला की समझ का विकास		
6	क्रेडिट मान	प्रायोगिक – 04		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35	

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P:

कुल व्याख्यान - 60 (प्रति व्याख्यान 02 घंटा)

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I.	भाव नृत्य • गुरू वंदना (संस्कृत श्लोक के साथ) • दादरा अथवा कहरवा पर आधारित लोक नृत्य। • उपशास्त्रीय भावगीतों पर आधारित नृत्य।	20
II.	प्रदर्शन • असंयुक्त हस्तों का विनियोग सहित प्रयोग • ग्रीवा भेदों का विनियोग सहित प्रयोग	20
III.	पढ़ंत • तीन ताल, झपताल, दादरा और कहरवा की ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन • बोल बन्दिशों को ताल लगाकर पढ़ंत करना	20

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: भाव नृत्य , प्रदर्शन, पढंत

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:-

1. दाधीच पुरु, कथक नृत्य शिक्षा भाग 1 एवं 2 – बिन्दु प्रकाशन, सराफा बाजार, उज्जैन

2. नागर विधि, कथक नर्तन भाग 1 एवं 2, बी.आ. रिदम पब्लिकेशन नई दिल्ली
3. माणिक भगवान दास, कथक मध्यमा, शिव शक्ति पब्लिकेशन, ग्वालियर
4. माणिक भगवानदास, कथक के सन्दर्भ में नर्तन भेद, शिवशक्ति पब्लिकेशन – ग्वालियर
5. हरमलकर, सुचित्रा, कथक प्रवाह भाग – 1, ग्रन्थालय पब्लिकेशन एण्ड प्रिन्टर्स, इन्दौर
6. गैरोला, वाचस्पति, भारतीय नाट्य परम्परा और अभिनय दर्पण, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान जवाहर नगर, नई दिल्ली
7. ज्योतिषी चेतना, कथक कल्पद्रुम, अभिनव प्रकाशन, मण्डला

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक –
www.eshiksha.mp.gov.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

आतंरिक मूल्यांकन	अंक	बाह्य मूल्यांकन	अंक
कक्षा में संवाद / प्रश्नोत्तरी	30	प्रायोगिक मौखिकी (वायवा)	70
उपस्थिति		प्रायोगिक रिकार्ड फाइल	
असाइनमेंट (चार्ट/मॉडल/सेमिनार/ग्रामीण सेवा/प्रौद्योगिकी प्रसार/भ्रमण(कस्कर्शन) की रिपोर्ट/ सर्वेक्षण/प्रयोगशाला भ्रमण (लैब विजिट)/औद्योगिक यात्रा		टेबल वर्क / प्रयोग	
		कुल अंक : 100	

कोई टिप्पणी/सुझाव: